राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

सूर्यास्त 07:11 | सूर्योदय 05:31
तापमान
अधिकतम 46° | न्यूनतम 31°

वर्ष: 07 | अंक: 11 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com — कैथल, सोमवार 18 मई, 2026 — RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

सचिवालय व स्कूल भवन धंसने की परिकल्पना पर चला राहत अभियान

बाढ़ आपदा से निपटने के लिए कैथल में मॉक ड्रिल, 21 घायलों का किया रेस्क्यू

» पुलिस-एसडीआरएफ समेत कई विभागों ने संभाला मोर्चा

कलासो देवी » कैथल

मानसून पूर्व आपदा प्रबंधन तैयारियों को परखने के लिए जिला प्रशासन ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खंडा साहब चौक में मॉक ड्रिल आयोजित की। डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में हुई इस अभ्यास में भवन धंसने, लोगों के फंसने और शॉर्ट सर्किट से आग लगने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, एंबुलेंस, रेडक्रॉस व बिजली विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया। दोनों स्थानों से कुल 21 लोगों को रेस्क्यू किया गया। सांकेतिक रूप से तीन लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। डीसी अपराजिता ने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा के समय त्वरित कार्रवाई और विभागीय समन्वय को मजबूत करना है। समीक्षा के बाद तैयारियों में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

मॉक ड्रिल के मुख्य बिंदु

- दो स्थानों पर हुआ अभ्यास
- 21 लोगों का रेस्क्यू
- पुलिस, एसडीआरएफ, फायर व रेडक्रॉस की भागीदारी
- भवन धंसने व आग लगने की बनाई गई स्थिति
- मानसून पूर्व तैयारियों का लिया गया जायजा

5 जून से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू

» 807 बीएलओ करेंगे घर-घर सत्यापन 22 सितंबर को अंतिम सूची जारी

कलासो देवी » कैथल

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला कैथल की सभी विधानसभा

निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान निर्धारित कार्यक्रम के तहत चलाया जाएगा। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अपराजिता ने बताया कि इस अभियान के तहत 807 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूचियों का सत्यापन करेंगे। उन्होंने बताया कि 5 से 14 जून तक बीएलओ का प्रशिक्षण और सामग्री वितरण किया जाएगा, जबकि 15 जून से 14 जुलाई तक घर-घर सत्यापन कार्य चलेगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची 21 जुलाई को प्रकाशित होगी। दावे और आपत्तियां 21 जुलाई से 20 अगस्त तक स्वीकार की जाएंगी तथा अंतिम मतदाता सूची 22 सितंबर 2026 को जारी होगी। डीसी अपराजिता ने राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथ पर बीएलए नियुक्त करने और आमजन से सत्यापन अभियान में सहयोग की अपील की। किसी भी जानकारी के लिए मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिले में वीटा मिल्क बूथों के आवंटन के लिए 25 मई तक करें आवेदन

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि द कुरुक्षेत्र-करनाल को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड द्वारा कैथल, करनाल एवं कुरुक्षेत्र जिलों में विभिन्न स्थानों पर वीटा मिल्क बूथों का आवंटन किया जाना है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 25 मई दोपहर 3 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। डीसी अपराजिता ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं विभिन्न वर्गों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना तथा आमजन तक वीटा के गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक वीटा मिल्क प्लांट, कुरुक्षेत्र कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र का शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए विभाग के हेल्पलाइन नंबर 99925-25280 पर कार्यालय समय के दौरान संपर्क किया जा सकता है। कैथल जिले में विभिन्न श्रेणियों के तहत बूथ आवंटित किए जाएंगे। इनमें नई अनाज मंडी चीका, अनाज मंडी ढांड, बस स्टैंड ढांड, सेक्टर-18, सेक्टर-20 एवं सेक्टर-21 कैथल, बस स्टैंड राजौंद, एचएसवीपी कार्यालय कैथल, ग्रीन बेल्ट चीका तथा बस स्टैंड पाई सहित विभिन्न स्थान शामिल हैं। इन बूथों को अलग अलग श्रेणियों के लिए आरक्षित किया गया है।

» न्यूज ब्रीफ

22 मई को लगेगा मेगा लीगल सर्विस कैंप

कैथल » जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 22 मई को गांव पट्टी अफगान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मेगा लीगल सर्विस कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप सुबह 9:30 बजे शुरू होगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि कैंप में आमजन को कानूनी अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। संबंधित विभागों के अधिकारी भी प्रचार सामग्री के साथ मौजूद रहेंगे।

21 जून को होगा नीट यूजी 2026 री-एग्जाम

नई दिल्ली » राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने नीट यूजी 2026 री-एग्जाम की नई तारीख घोषित कर दी है। अब परीक्षा 21 जून 2026, रविवार को आयोजित होगी। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद यह फैसला लिया गया है। पेपर रद्द होने के बाद लाखों छात्र नई तारीख का इंतजार कर रहे थे। एनटीए ने बताया कि परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड दोबारा जारी किए जाएंगे। इस बार परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। सरकार ने यह भी संकेत दिए हैं कि अगले साल से नीट परीक्षा ऑनलाइन मोड में कराई जा सकती है। वहीं, इस साल छात्रों को अतिरिक्त समय देने पर भी विचार किया गया है।

ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए कैथल पुलिस की नई पहल

» साइकिल यात्रा निकालकर कार-पूलिंग और बस सेवा अपनाने की अपील

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

बढ़ती ईंधन खपत और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए कैथल पुलिस ने ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में जिला पुलिस साइकिल उपयोग, कार-पूलिंग और बस सेवा को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में जिला सचिवालय से पुलिस लाइन तक साइकिल जागरूकता यात्रा निकाली गई। यात्रा करनाल रोड, पेहवा चौक और अंबाला रोड से होकर गुजरी, जिसका नेतृत्व डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को प्रदूषण नियंत्रण व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आह्वान पर यह मुहिम चलाई जा रही है। पुलिस कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन साइकिल से कार्यालय आने के निर्देश दिए गए हैं।

जनगणना 2027 के तहत हाउस लिस्टिंग कार्य जारी

» कैथल। जिला कैथल में जनगणना 2027 के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रशासन द्वारा इसे तय समय सीमा में पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्य की समीक्षा को लेकर तहसील गुहला, नगर पालिका राजौंद, पूंडरी और सीवन में पर्यवेक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चार्ज अधिकारी एवं जिला सांख्यिकी अधिकारी निर्मल कौर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान एकत्रित जानकारी पूरी तरह सही, सटीक और अद्यतन होनी चाहिए, क्योंकि इसी आधार पर भविष्य की सरकारी योजनाएं और विकास कार्य तय किए जाते हैं। प्रशासन ने आमजन से भी जनगणना कार्य में सहयोग की अपील की है।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना बनी जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा

» शादी के लिए सरकार दे रही 41 से 71 हजार रुपये तक की सहायता

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

हरियाणा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की

सहायता के लिए क्रियान्वित की जा रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजनों की शादी में एक बड़ा संबल साबित हो रही है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में आने वाली आर्थिक चिंता को दूर करना और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। उन्होंने जिले के सभी पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों से अपील की है कि वे सरकार की इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठाने के लिए shadi.edisha.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें।

डीसी अपराजिता ने महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद छह माह के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आवेदन की प्रक्रिया को पूरी तरह सरल और सुगम बनाया गया है ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके।

योजना की मुख्य सहायता राशि

- **एससी/विमुक्त/टपरीवास वर्ग :** 71,000 रुपये
- **पिछड़ा वर्ग :** 51,000 रुपये
- **सामान्य वर्ग :** 41,000 रुपये
- **दोनों दिव्यांग होने पर :** 51,000 रुपये
- **एक दिव्यांग होने पर :** 41,000 रुपये

मानवता और भाईचारे का संदेश दिया

» चंडीगढ़। सेक्टर-32डी के ग्राउंड में आयोजित विशाल निरंकारी संत समागम में शाहबाद मारकंडा से आए जोनल इंचार्ज सुरिंद्र पाल ने मानव जीवन के उद्देश्य, परमात्मा की पहचान, अहंकार त्याग और विश्व बंधुत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति तभी संभव है, जब मनुष्य परमात्मा को सही रूप में जान ले। परमात्मा किसी एक स्थान तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव और कण में विद्यमान है। सतगुरु की कृपा से परमात्मा की पहचान होने पर जीवन में आत्मिक शांति और आनंद आता है। वर्तमान समय में माता सुदीक्षा महाराज मानवता को यही संदेश दे रही हैं। सभी धर्म प्रेम, मानवता और भाईचारे का संदेश देते हैं तथा धर्म, जाति और भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। समागम में उन्होंने अहंकार त्याग और निस्वार्थ सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया।

NCB ने पकड़ा 'जिहादी ड्रग'

नशे के सौदागरों की अब खैर नहीं, शाह ने दे दी डेडलाइन

» नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार 182

करोड़ रुपये मूल्य की कैप्टागन टैबलेट जब्त की हैं, जिसे उन्होंने ‘जिहादी ड्रग’ बताया। शाह ने एक्स पर कहा कि एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया और ऑपरेशन रेजपिल के तहत पश्चिम एशिया के लिए भेजी जा रही इस खेप को जब्त किया गया। मुंद्रा बंदरगाह और दिल्ली के नेब सराय से नशीले पदार्थ जब्त किए गए। सीरियाई नागरिक ने इसे चाय की पत्तियों के डिब्बे में छिपा रखा था। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर यह ऊन की खेप के रूप में घोषित एक कंटेनर में आया था।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की पाकिस्तान को दो टूक...

'तय कर लो भूगोल में रहोगे या इतिहास में...'

» नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को पाकिस्तान

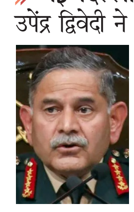

को अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह देने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पड़ोसी देश को यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का हिस्सा। उनकी यह टिप्पणी भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। सेना प्रमुख (सीओएएस) नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूनिफॉर्म अनवेल्ड द्वारा आयोजित एक सत्र में उपस्थित लोगों से बातचीत कर रहे थे।

जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां दोबारा उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी। सेना प्रमुख ने कहा कि अगर आपने मुझे पहले सुना हो, तो मैंने जो कहा है... कि पाकिस्तान, अगर वह आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ गतिविधियां जारी रखना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है या नहीं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पिछले साल 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। इसके तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैबा (एलईटीटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए।

जन कल्याण » पहले आओ-पहले पाओ आधार पर योजना का लाभ, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेगी सौर ऊर्जा

पंचायती राज संस्थाओं को सोलर स्ट्रीट लाइट्स पर मिलेगा अनुदान

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

ग्रामीण क्षेत्रों और पंचायतों को रोशन करने के उद्देश्य से नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत पात्र संस्थाओं को अनुदान पर सोलर स्ट्रीट लाइट उपलब्ध करवाई जाएंगी। ग्राम पंचायतें, पंचायत समितियां, जिला परिषद, सरकारी संस्थाएं तथा गैर-लाभकारी संस्थाएं (एनजीओ) इस योजना का लाभ उठा सकती हैं, जोकि ‘पहले आओ-पहले पाओ’ के आधार पर दिया जाएगा।

एडीसी डॉ. सुशील मलिक ने बताया कि विभाग ने महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान विभाग, हरियाणा सरकार के माध्यम से सोलर स्ट्रीट लाइट्स का रेट कॉन्ट्रैक्ट किया है, जिसकी वैधता 28 जनवरी 2027 तक रहेगी। योजना के अंतर्गत 12 वाट एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट, जिसमें 75 वॉट सोलर पैनल, 12.8 वोल्ट 30 एएच बैटरी तथा रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम शामिल है।

इच्छुक लाभार्थी अपने हिस्से की राशि एडीसी कार्यालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग कैथल में किसी भी कार्य दिवस पर जमा कराकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक पंचायतों और संस्थाओं से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिल सके और बिजली की बचत हो।

योजना की खासियत

- 12 वॉट एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट
- **कुल लागत :** 17,000
- **सरकारी अनुदान :** 4,000
- **लाभार्थी अंशदान :** 13,000
- **योजना वैधता :** 28 जनवरी 2027 तक

जिला कारागार व पुलिस लाइन में योग शिविर संपन्न

» कैथल। आयुष विभाग हरियाणा और हरियाणा योग आयोग के तत्वावधान में जिला कारागार व पुलिस लाइन कैथल में आयोजित पांच दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। शिविर 11 से 15 मई तक चला। योग सहायकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए योग के शारीरिक व मानसिक लाभ बताए। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने कहा कि नियमित योग से तनाव कम होता है और मानसिक संतुलन बढ़ता है। जेल प्रशासन ने इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे कैदियों में आत्मविश्वास और अनुशासन बढ़ेगा।

सुविचार

"गलतियां वही करते हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं।"

संपादकीय

बदलती दुनिया, बदलते हुनर...

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। देश की बड़ी आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। आने वाले समय में देश की आर्थिक प्रगति इस बात पर निर्भर करेगी कि युवा बदलती दुनिया के अनुरूप अपने कौशल को कितना विकसित कर पाते हैं। तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से रोजगार का स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक डिग्री अब पर्याप्त नहीं रह गई है। समय की मांग है कि युवा नए दौर के अनुरूप खुद को लगातार अपडेट करें।

कुछ वर्ष पहले तक रोजगार के पारंपरिक क्षेत्र सुरक्षित माने जाते थे, लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। मशीनें और सॉफ्टवेयर कई ऐसे कार्य करने लगे हैं जिन्हें पहले मनुष्य करते थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने कंटेंट लेखन, डेटा विश्लेषण और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में नई प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। इसका अर्थ रोजगार समाप्त होना नहीं, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदलना है। जो युवा नई तकनीकों को सीखेंगे और अपने कौशल को समय के साथ बदलेंगे, वही भविष्य के अवसरों का लाभ उठा पाएंगे। भारत में शिक्षा व्यवस्था और उद्योग जगत की जरूरतों के बीच अब भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। लाखों छात्र हर वर्ष डिग्रियां लेकर निकलते हैं, लेकिन कंपनियां अक्सर आवश्यक कौशल वाले कर्मचारियों की कमी की बात करती हैं। इसका कारण केवल शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण की कमी भी है। कई संस्थानों में अब भी पुराने पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं, जबकि बाजार नई तकनीक और डिजिटल समझ की मांग कर रहा है।

आज केवल तकनीकी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। संचार क्षमता, समस्या समाधान, टीमवर्क और डिजिटल समझ भी उतनी ही जरूरी हो गई है। दुनिया तेजी से 'मल्टी-स्किल' कार्य संस्कृति की ओर बढ़ रही है। एक व्यक्ति को अब कई क्षेत्रों की बुनियादी जानकारी रखनी पड़ रही है। पत्रकारिता, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी तकनीकी दक्षता का महत्व बढ़ गया है।

ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं के सामने यह चुनौती और बड़ी है। वहां गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण और डिजिटल संसाधनों की कमी अब भी दिखाई देती है। यदि यह अंतर समय रहते कम नहीं किया गया, तो रोजगार और आय की असमानता और बढ़ सकती है। इसलिए सरकार और निजी क्षेत्र दोनों की जिम्मेदारी है कि कौशल विकास योजनाओं को वास्तविक रोजगार से जोड़ा जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विभिन्न स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दिखाई देगा जब प्रशिक्षण उद्योग की जरूरतों के अनुरूप होगा। आईटी, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और हेल्थ टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आने वाले समय में बड़े अवसर पैदा होंगे। जरूरत इस बात की है कि युवाओं को समय रहते इन क्षेत्रों के लिए तैयार किया जाए।

यह भी समझना होगा कि कौशल विकास केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का रास्ता भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने स्वरोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। आज एक युवा छोटे शहर में रहकर भी ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल कारोबार के माध्यम से वैश्विक बाजार से जुड़ सकता है।

डिजिटल चमक, मानसिक अंधेरा

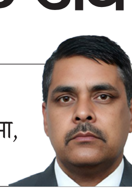

युद्धवीर सिंह
हरियाणा विधानसभा, चंडीगढ़

आधुनिक युग को यदि डिजिटल युग कहा जाए तो यह बिल्कुल उचित होगा। आज मनुष्य का जीवन मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल उपकरणों के इर्द-गिर्द घूमने लगा है। जहां वह सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक व्यक्ति किसी न किसी डिजिटल माध्यम से जुड़ा रहता है। वहीं उसी तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, दूरियों को समाप्त किया है, ज्ञान को सुलभ बनाया है और कार्य करने की गति को कई गुना बढ़ा दिया है। लेकिन दूसरी ओर यही डिजिटलीकरण धीरे-धीरे मनुष्य के मानसिक संतुलन, सामाजिक संबंधों और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। आज दुनिया भर में अवसाद, चिंता, अकेलापन, तनाव और मानसिक थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और इसके पीछे डिजिटल जीवनशैली को एक बड़ा कारण माना जा रहा है। जिस तकनीक को मानव जीवन को आसान बनाने के लिए विकसित किया गया था, वही तकनीक अब मनुष्य को भीतर से कमजोर और अकेला बना रही है।

डिजिटलीकरण का सबसे बड़ा प्रभाव मनुष्य के सामाजिक जीवन पर पड़ा है। पहले लोग एक-दूसरे से आमने-सामने बैठकर बातें करते थे, सुख-दुख साझा करते थे और पारिवारिक रिश्तों में आत्मीयता दिखाई देती थी। आज स्थिति यह है कि एक ही घर में रहने वाले लोग भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। माता-पिता बच्चों से दूर हो रहे हैं, पति-पत्नी के बीच संवाद कम हो रहा है और मित्रता केवल सोशल मीडिया तक सीमित होती जा रही है। व्यक्ति हजारों ऑनलाइन मित्र बना लेता है, लेकिन वास्तविक जीवन में उसके पास अपनी भावनाएं साझा करने वाला कोई नहीं होता। यही अकेलापन धीरे-धीरे डिप्रेशन का रूप ले लेता है। मनुष्य स्वभाव से सामाजिक प्राणी है और जब उसका सामाजिक जुड़ाव कमजोर होता है तो वह भीतर से टूटने लगता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स और अन्य एप्लीकेशन ने लोगों के जीवन में तुलना की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है। लोग दूसरों की सफलता, सुंदरता, महंगी जीवनशैली और खुशहाल तस्वीरों को देखकर अपने जीवन को कमजोर और असफल मानने लगते हैं। वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली जिंदगी पूरी तरह सच्ची नहीं होती, लेकिन फिर भी लोग उसे अपनी वास्तविकता से तुलना करने लगते हैं। एक छात्र दूसरे छात्र की सफलता देखकर तनाव में आ जाता है, एक युवा दूसरे की आलीशान जिंदगी देखकर खुद को असफल समझने लगता है और कई लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर हीन भावना का शिकार हो जाते हैं। यह निरंतर तुलना आत्मविश्वास को खत्म कर देती है और व्यक्ति धीरे-धीरे अवसाद में डूबने लगता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

तरक्की की ट्रेन, संतुष्टि के स्टेशन; आप कहां उतरेंगे?

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम
गोल्ड 100.1

दिल्ली मेट्रो के राजीव चौक स्टेशन पर सुबह 9 बजे उतरिए। पीली लाइन से नीली लाइन की तरफ भागती भीड़ देखिए। सबके चेहरे पर जल्दी है, हाथ में फोन है, और कान में ईयरफोन। कोई सीढ़ियाँ नहीं चढ़ता, सब एस्केलेटर पर भी चल रहे हैं, मानो दो सेकंड बचाकर ज़िंदगी जीत लेंगे।

25 साल का रोहन इसी भीड़ का हिस्सा है। नोएडा की एक बड़ी आईटी कंपनी में ऐप डेवलपर है। पैकेज 18 लाख सालाना। सुबह 10 से रात 9 की शिफ्ट और लंच डेस्क पर। व्हाट्सएप स्टेटस पर लिखा है: 'Hustle till you make it. Still not there yet. यानी जब तक कामयाब ना हो जाओ, तब तक मेहनत करते रहो। अभी तक मंज़िल नहीं मिली है।

उसी मेट्रो से दो स्टेशन बाद, 55 साल के शर्मा जी उतरते हैं। हाल ही में नौकरी से रिटायर हुए हैं। पेंशन 40 हज़ार। कुर्ता-पायजामा, हाथ में कपड़े का थैला। शाम को घर के पास के पार्क में बेंच पर बैठकर अखबार पढ़ते हैं। कोई पूछे- कैसे हैं? तो जवाब मिलता है: बस बेटा, ऊपर वाले का शुक्र है। बच्चे सेटल हैं। दाल-रोटी चल रही है।

रोहन और शर्मा। दो पीढ़ी, दो सोच। दोनों अपनी जगह ठीक। पर आज का सबसे बड़ा सवाल यही है - तरक्की बड़ी है या संतुष्टि? और क्या दोनों साथ चल सकती हैं?

1. तरक्की : जरूरत से नशा बनने तक का सफर

तरक्की को गलत कहना बेवकूफी होगी। तरक्की ही थी जिसने हमें मिट्टी के दीये से एलईडी बल्ब तक पहुंचाया। तरक्की ही थी जिसने प्रति व्यक्ति आय में हर साल थोड़ी वृद्धि की। तरक्की की वजह से ही आज आम आदमी के घर में फ्रिज, कूलर, वॉशिंग मशीन है। गाँव में किसान का बेटा यूट्यूब से खेती सीख रहा है। बीमारी में बड़े से बड़े अस्पताल में बड़े से बड़े डॉक्टर का अपॉइंटमेंट फोन से मिल जाता है।

तरक्की यानी बेहतर ज़िंदगी। और बेहतर ज़िंदगी चाहना गुनाह नहीं, हक है। मुश्किल तब शुरू होती है जब तरक्की,मंजिल न रहकर दौड़ बन जाती है। एक ऐसी दौड़ जिसकी फिनिश लाइन रोज आगे खिसक जाती है। क्लास 12 का छात्र सोचता है- आईआईटी निकल जाए तो लाइफ सेट। आईआईटी निकल गया तो सोचता है - गूगल-माइक्रोसॉफ्ट का पैकेज मिल जाए तो सेट। पैकेज मिल गया तो सोचता है- अमेरिका पोस्टिंग मिल जाए तो सेट। अमेरिका पहुँच गया तो लगता है- ग्रीन कार्ड मिल जाए तो सेट। ग्रीन कार्ड मिल गया तो... ये 'तो सेट' कभी आता ही नहीं क्योंकि तरक्की की भूख का पेट सबसे बड़ा होता है और वो कभी भरता नहीं। सोशल मीडिया ने इस आग में पेट्रोल डाल दिया है। पहले शर्मा का बेटा अपने पड़ोसी वर्मा के बेटे से तुलना करता था। अब रोहन का कंपटीशन पूरे दुनिया से है। इंस्टाग्राम खोलो तो कोई मालदीव में स्कूबा डाइविंग कर रहा है, कोई दुबई में लेम्बोर्गिनी के साथ फोटो डाल रहा है। अपनी गोवा की 3 दिन वाली ट्रिप अचानक फीकी लगने लगती है।

-मेरे पास 2 बीएचके है, पर शर्मा जी का 3 बीएचके है। मैं पीछे रह गया।

- मेरी सैलरी 12 लाख है, पर कॉलेज का दोस्त 30 लाख ले रहा है। मैं फेल हो गया।

ये सोच तरक्की को तरक्की नहीं रहने देती, तुलना का जहर बना देती है। और इस जहर का असर क्या होता है? वो पहले मन मारता है, फिर रिश्ते, फिर नींद। दुनिया के सबसे अमीर देश देख लीजिए। बुलेट ट्रेन, रोबोट, टेक्नोलॉजी सब है। पर वहाँ अकेलेपन की बीमारी फैल रही है। बुज़ुर्ग अपने फ्लैट में मर जाते हैं और हफ्तों-महीनों तक किसी को पता नहीं चलता। तरक्की चरम पर है, पर संतुष्टि, सुकून, अपनापन- कहीं खो गया है। तरक्की अगर आपको आपके लोगों से दूर ले जाए, तो वो तरक्की कैसी?

2. संतुष्टि : अकर्मण्यता नहीं, अक्लमंदी है

संतुष्टि शब्द सुनते ही कई लोगों के दिमाग में एक तस्वीर बनती है- पेड़ के नीचे चादर तान कर सोता हुआ आदमी। संतोषी सदा सुखी- को लोग 'निकम्मा सदा सुखी' समझ लेते हैं।

ये सबसे बड़ी गलतफहमी है।

संतुष्टि का मतलब हाथ पर हाथ रखकर बैठना नहीं है। संतुष्टि का मतलब है -रुक कर साँस लेना और देखना कि दौड़ क्यों रहे हो।

गाँव में हमारे एक बुजुर्ग रिश्तेदार रहते हैं। स्मार्टफोन नहीं है। खेती करते हैं। साल में दो बार तीर्थ कर आते हैं। रात 9 बजे खाना खाकर सो जाते हैं। सुबह 5 बजे खेत पर। पूछो- टेंशन क्या है? तो हँसकर कहते हैं: ₹बेटा, इतना है कि दो वक्त की रोटी, तन पर कपड़ा, सिर पर छत है। ऊपर वाले से ज़्यादा क्या माँगू? दूसरी तरफ मुंबई में मेरे एक जानकार रहते हैं। एक नामी कंपनी में वाइस प्रेसिडेंट। सैलरी 80 लाख। बांद्रा में सी-फेसिंग फ्लैट। पर रात को 2 नींद की गोली चाहिए। बीपी की दवा चलती है। क्योंकि अगला टारगेट, अगली डील, अगला प्रमोशन दिमाग में घूमता रहता है।

कौन ज्यादा अमीर है?

कई रिसर्च भी बताती हैं कि ज़िंदगी में खुशी और लंबी उम्र का सबसे बड़ा कारण पैसा या शोहरत नहीं, बल्कि अच्छे रिश्ते हैं। जो लोग 80 की उम्र में भी अपने दोस्तों, परिवार से जुड़े रहते हैं वो ज्यादा खुश और सेहतमंद रहते हैं।

यानी तरक्की करो, खूब करो। पर शाम को घर लौट कर 10 मिनट बीवी-बच्चों से दिल की बात करने की संतुष्टि को प्रमोशन लेटर के लिए कुर्बान मत करो। वीकेंड पर माँ-बाप के साथ दिन बिताने के सुकून को ऑफिस टारगेट के नीचे मत दबाओ।

संतुष्टि तुम्हें कमजोर नहीं बनाती। वो तुम्हें बताती है कि कब रुकना है। गाड़ी में ब्रेक न हो तो एक्सीडेंट पक्का है। ज़िंदगी में संतुष्टि का ब्रेक न हो तो डिप्रेशन, एंजाइटी, अटैक पक्का है।

3. तो करें क्या? तरक्की और संतुष्टि की जुगलबंदी

सवाल तरक्की या संतुष्टि चुनने का है ही नहीं। सवाल है बैलेंस का। धूप और छांव की तरह। धूप न हो तो विटामिन-डी नहीं मिलेगा, छाँव न हो तो गर्मी में राहत नहीं मिलेगी। असली तरक्की वही है जो संतुष्टि तक ले जाए। और सच्ची संतुष्टि वही है जो और बेहतर करने का हौसला दे।

इसके लिए 3 काम आज से शुरू कीजिए:

पहला : तुलना का मीटर तोड़ दो।

आपकी रेस सिर्फ आपसे है। उसेन बोल्ट ओलंपिक में कछुए से रेस नहीं लगाता। वो अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ता है। आप भी अपने पिछले साल वाले 'आप' से कंपटीशन करो। सैलरी 10% बढ़ी? बहुत बढ़िया। सेहत पिछली दीवाली से बेहतर है? शाबाश। बच्चे से रिश्ता पिछले महीने से गहरा हुआ? जीत गए। दुनिया को मत देखो। वो अपना मीटर लेकर घूम रही है।

दूसरा : काफी है की लिस्ट बनाओ।

आज रात सोने से पहले एक कागज़ लो। उस पर 3 चीजें लिखो जो तुम्हारे पास हैं और जिनके बिना ज़िंदगी मुश्किल हो जाती। माँ के हाथ का खाना, दोस्तों की यारी, सिर पर छत। बस। ये लिस्ट फ्रिज पर चिपका दो। जब भी सोशल मीडिया पर रील्स देखकर मन उदास हो, ये लिस्ट पढ़ लेना।

तीसरा : तरक्की की परिभाषा बदलो।

तरक्की सिर्फ बैंक बैलेंस का नाम नहीं है। तरक्की है — पिछले साल मैं 10 बजे ऑफिस से आता था, इस साल 8 बजे आने लगा हूँ।

तरक्की है — पहले बीपी 150 रहता था, अब वॉक करके 130 कर लिया।

तरक्की है - पहले पापा से महीने में एक बार भी फुर्सत से बात नहीं हो पाती थी, अब हर रविवार लंच और डिनर दोनों साथ करता हूँ।

अगर तुम्हारी तरक्की तुम्हें तुम्हारे लोगों के, तुम्हारी नींद के, तुम्हारे सुकून के करीब ला रही है, तो समझो सही जा रहे हो। अगर वो तुमसे ये सब छीन रही है, तो ब्रेक मार दो। गाड़ी गलत रास्ते पर है।

आखिरी बात

तरक्की ट्रेन है, संतुष्टि स्टेशन। ट्रेन में बैठना ज़रूरी है, वरना जिंदगी के प्लेटफॉर्म पर ही रह जाओगे। पर किसी न किसी स्टेशन पर उतरना भी जरूरी है, वरना जिंदगी भर खिड़की से बाहर देखते रहोगे और अपना स्टेशन कब का निकल चुका होगा।

सबसे बड़ी तरक्की वो है जो हमें घर परिवार से दूर नहीं, घर परिवार के करीब ले जाए। और सबसे गहरी संतुष्टि ये है कि तरक्की की दौड़ में दौड़ते-दौड़ते हम जीना न भूल जाएँ। यकीन मानो,जब कभी ज़िंदगी के आखिर में अकेले बैठकर जिंदगी का हिसाब देखने का मौका मिलेगा, तो दिल बैलेंस शीट नहीं, सुकून शीट देखेगा। तो उसमें एंट्री आज से ही शुरू करो।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

विज्ञापन हुई पढ़ाई: अंकों की चमक में दबता बचपन

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

परीक्षा परिणाम आते ही आजकल विद्यालयों के बाहर एक अजीब सी होड़ दिखाई देने लगती है। कहीं बड़े-बड़े होर्डिंग लगे होते हैं, कहीं रंगीन पोस्टर, कहीं सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरों की भरमार। किसी छात्र के साथ 99%, किसी के साथ 98%, किसी के साथ 97% अंक लिखे होते हैं। विद्यालय इन तस्वीरों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो कोई व्यावसायिक उपलब्धि हासिल हुई हो। देखने वाले अभिभावकों को संदेश दिया जाता है कि यही वह संस्थान है जहाँ "सफलता" मिलती है। शिक्षा अब धीरे-धीरे ज्ञान का माध्यम कम और प्रचार का साधन अधिक बनती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आज यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या पढ़ाई अब शिक्षा कम और विज्ञापन अधिक बन गई है?

निस्संदेह, मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान होना चाहिए। अच्छे परिणाम किसी भी छात्र, शिक्षक और अभिभावक के लिए गर्व का विषय होते हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब विद्यालय केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों को ही सफलता का चेहरा बनाकर प्रस्तुत करने लगते हैं। बाकी बच्चे, जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत की, संघर्ष किया, परिस्थितियों से लड़ते हुए परीक्षा पास की, वे सब इस चमक-दमक में कहीं पीछे छूट जाते हैं। विद्यालय के पोस्टरों पर उनकी तस्वीरें नहीं होतीं, उनके प्रयासों की चर्चा नहीं होती। धीरे-धीरे उनके मन में यह भावना बैठने लगती है कि शायद वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। आज शिक्षा का वातावरण अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो चुका है। बच्चे अब ज्ञान प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशत हासिल करने के लिए पढ़ रहे हैं। माता-पिता की अपेक्षाएं, समाज की तुलना और विद्यालयों की प्रचार नीति मिलकर बच्चों पर ऐसा दबाव बना देती हैं कि वे स्वयं को अंकों के तराजू में तौलने लगते हैं। यदि किसी बच्चे के 95% अंक आए हैं तो वह "प्रतिभाशाली" कहलाता है, लेकिन 70% लाने वाला बच्चा स्वयं को साधारण या कमजोर मानने लगता है। यह सोच शिक्षा की आत्मा के विरुद्ध है। हर बच्चा अलग होता है। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की साहित्य में, कोई खेल में उत्कृष्ट होता है तो कोई कला, संगीत या तकनीकी कौशल में। लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने सफलता की परिभाषा को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित कर दिया है। विद्यालय भी उसी दिशा में चलते दिखाई देते हैं जहाँ उन्हें अधिक प्रचार और अधिक प्रवेश मिलने की संभावना हो। परिणामस्वरूप बच्चे "विद्यार्थी" कम और "रिजल्ट प्रोडक्ट" अधिक बनते जा रहे हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार का प्रचार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिन छात्रों के अंक अपेक्षाकृत कम आते हैं, वे स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। कई बच्चे अवसाद, तनाव और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे तो इतने दबाव में आ जाते हैं कि वे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। आज देश में परीक्षा परिणामों के बाद आत्महत्या जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उस सामाजिक और शैक्षणिक दबाव का परिणाम है जो बच्चों पर लगातार डाला जा रहा है। विद्यालयों को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल टॉपर बनाने का माध्यम नहीं है। एक योग्य शिक्षक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके कितने छात्रों ने 95% अंक प्राप्त किए, बल्कि इससे होती है कि उसने कितने बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाया। असली शिक्षा वह है जो बच्चे को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करे, उसे संवेदनशील बनाए, उसके भीतर नैतिकता और मानवता का विकास करे। यदि कोई बच्चा परीक्षा में औसत अंक लाता है लेकिन अच्छा इंसान बनता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है, तो वह भी शिक्षा की सफलता है। आज कई विद्यालय परीक्षा परिणामों को व्यावसायिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, अखबारों में विज्ञापन, शहर भर में बैनर—यह सब शिक्षा के व्यवसायीकरण का संकेत है। अभिभावक भी इन चमकदार परिणामों से प्रभावित होकर विद्यालय चुनते हैं। उन्हें लगता है कि जहाँ अधिक टॉपर हैं, वही विद्यालय श्रेष्ठ है। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता केवल कुछ विद्यार्थियों के प्रतिशत से तय नहीं हो सकती। किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वहाँ औसत और कमजोर छात्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है, उन्हें कितना सहयोग और प्रोत्साहन मिलता है। यह भी सच है कि बहुत से विद्यालय जानबूझकर केवल मेधावी बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं ताकि उनका परिणाम अच्छा दिखाई दे। कमजोर छात्रों को अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

बेरोजगारी का अपमान नहीं, समाधान चाहिए

डॉ. प्रियंका सौरभ
पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

बेरोजगारी किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। यह केवल रोजगार की कमी का प्रश्न नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मनिर्भरता, सामाजिक भागीदारी और भविष्य के विश्वास का प्रश्न भी है। जब बड़ी संख्या में शिक्षित युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद भी स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक काम नहीं पा पाते, तब समस्या उनकी व्यक्तिगत क्षमता में नहीं, बल्कि व्यवस्था की बनावट, नीति की प्राथमिकताओं और शासन की विफलता में खोजी जानी चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि सार्वजनिक बहस में अक्सर इस मूल प्रश्न से बचकर युवाओं पर ही नैतिक टिप्पणी कर दी जाती है। यह प्रवृत्ति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा के भी विरुद्ध है।

बेरोजगारी का सबसे पहला प्रभाव आर्थिक नहीं, मनोवैज्ञानिक होता है। युवा अपने परिवार की आशाओं, समाज की अपेक्षाओं और अपने भविष्य के सपनों के बीच फंस जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की अनिश्चितता, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, नियुक्तियों में पारदर्शिता की कमी और अवसरों का सीमित होना उसके भीतर निराशा पैदा करता है। ऐसे में यदि उसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया जाए, तो यह केवल उसके दुख को बढ़ाता है। कोई भी सभ्य राज्य अपने युवाओं से यह अपेक्षा नहीं कर सकता कि वे अवसरों की कमी के बावजूद मुस्कुराते रहें और व्यवस्था की विफलता को अपनी कमी मान लें। इसी संदर्भ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हालिया टिप्पणी पर उठा विवाद समझना आवश्यक है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, उनकी आलोचना का निशाना वे लोग थे जो फर्जी डिग्रियों, नकली पहचान या झूठे दावों के सहारे पेशागत जगत में प्रवेश करके व्यवस्था को दूषित करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी बात को मीडिया के एक हिस्से ने गलत तरीके से प्रस्तुत किया और देश के युवाओं के प्रति उनके मन में सम्मान है। यह तथ्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी एक विशिष्ट संदर्भ में की गई तीखी टिप्पणी को पूरे युवा समुदाय पर आरोप की तरह पेश करना न केवल भ्रामक है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी खतरनाक है। इससे वास्तविक मुद्दा — फर्जीवाड़ा, अवसरों की कमी और संस्थागत विफलता — पीछे छूट जाता है।

लेकिन साथ ही यह भी स्वीकार करना होगा कि सार्वजनिक भाषा की अपनी मर्यादा होती है। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और मीडिया—सभी संस्थाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे भाषा का प्रयोग सावधानी, संतुलन और संवेदनशीलता के साथ करें। किसी भी समुदाय, विशेषकर बेरोजगारी और असुरक्षा से जूझ रहे युवाओं के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग सामाजिक विमर्श को चोट पहुंचाता है। लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं चलता; वह सम्मान, संवाद और आत्मसंयम से भी चलता है। यदि किसी वर्ग के प्रति तिरस्कार का भाव सार्वजनिक मंचों पर प्रकट होगा, तो इसका असर केवल उस वर्ग पर नहीं, बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा।

युवाओं के संदर्भ में सबसे बड़ी गलती यह है कि उन्हें समस्या का कारण मान लिया जाता है, जबकि वे अक्सर समस्या के सबसे बड़े शिकार होते हैं। शिक्षा प्रणाली उन्हें डिग्री देती है, लेकिन रोजगार नहीं। परिवार उनसे स्थायित्व की अपेक्षा करता है, लेकिन बाजार अनिश्चितता देता है। सरकारें अवसरों का वादा करती हैं, लेकिन नियुक्तियां समय पर नहीं होतीं। ऐसे में यदि युवा अपने भविष्य को लेकर आक्रोशित, बेचैन या आलोचनात्मक हो जाते हैं, तो इसे अपराध नहीं, प्रतिक्रिया के रूप में समझा जाना चाहिए। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह असंतोष को दबाने के बजाय सुनना और समझना जानता हो।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि रोजगार संकट आज केवल भारत का नहीं, बल्कि वैश्विक प्रश्न है। तकनीकी परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, औद्योगिक स्वचालन, श्रम-बाजार की संरचनात्मक तब्दीलियाँ और शिक्षा-रोजगार के बीच बढ़ती दूरी ने दुनिया भर में युवाओं के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। लेकिन इन चुनौतियों का समाधान युवाओं को दोष देकर नहीं, नीतिगत सुधार करके किया जा सकता है। जिन देशों ने रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता प्रोत्साहन, सार्वजनिक निवेश और सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान दिया, वहाँ युवाओं ने समाज निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई। इसके विपरीत जहाँ शासन ने केवल प्रचार किया और नीति पर ध्यान नहीं दिया, वहाँ असंतोष बढ़ा।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

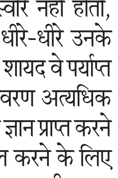

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सैन्य या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक नियंत्रित प्रतिस्पर्धा के ढांचे के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर ठोस सहमति बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कवायद को एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है।

इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कई वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक ढांचे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी समझ के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित आर्थिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद, ऊर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा क्रय प्रस्ताव देने पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चर्चाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरुआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थाई रूप से दूर कर सके।

व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगबुगाहट के समांतर सबसे जटिल और विवादित विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए या आदर्श वैश्विक व्यापार ढांचे की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था। इस दृष्टिकोण से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि यह वार्ता कूटनीतिक मोर्चे पर एक प्रकार के अस्थायी विराम की तरह काम कर रही है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीधे आर्थिक महायुद्ध से बचने का मार्ग तलाश रहे हैं। इस पूरी बीजिंग वार्ता का सबसे संवेदनशील, जटिल और रणनीतिक रूप से खतरनाक विषय ताइवान का मुद्दा रहा। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का अटूट हिस्सा और अपने संप्रभु क्षेत्र का एक अनिवार्य अंग मानता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका ताइवान के साथ मजबूत रणनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा संबंध बनाए हुए है। इस मुद्दे पर चीनी पक्ष की ओर से अत्यंत कड़े और स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि यदि ताइवान को लेकर स्थिति में कोई भी नकारात्मक बदलाव हुआ या अंतरराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा स्थापित सीमाओं का उल्लंघन किया गया, तो दोनों महाशक्तियों के संबंध एक अत्यंत गंभीर संकट में फंस सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कूटनीति ने भी अपनी पारंपरिक नीति में किसी बड़े या क्रांतिकारी बदलाव का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने स्थिति को जानबूझकर रणनीतिक रूप से खुला रखने और अपनी पुरानी स्थिति पर अडिग रहने का दृष्टिकोण अपनाया।

(यह लेखक के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

ईरान युद्ध के बीच विवादः यूएई बोला-नेतन्याहू का गुप्त दौरा 'झूठा'

नई दिल्ली » यूएई ने साफ तौर पर उन खबरों को खारिज कर दिया है कि बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान युद्ध के दौरान देश का कोई "सीक्रेट दौरा" किया था। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा कि न तो ऐसा कोई दौरा हुआ और न ही किसी इजराइली प्रतिनिधिमंडल को बुलाया गया। बुधवार को इससे पहले नेतन्याहू के दफ्तर ने एक बयान जारी कर कहा था कि इजराइली प्रधानमंत्री ने रिश्तों और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए यूएई का गुप्त दौरा किया। इजराइल के पीएमओ के बयान के मुताबिक, बेंजामिन नेतन्याहू के कथित यूएई दौरे से दोनों देशों के रिश्तों में ऐतिहासिक सफलता हासिल होने का दावा किया गया है।

क्या बढ़ेगा सीमा पर तनाव? बाड़बंदी के फैसले से क्यों बौखलाया बांग्लादेश

नई दिल्ली » पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन देने के फैसले से बांग्लादेश बौखला गया है। वहां की सरकार ने सीमा विवाद और हालिया घटनाक्रमों को लेकर भारत को आधिकारिक चेतावनी जारी की है। यह कूटनीतिक तल्खी ऐसे समय में आयी है, जब बांग्लादेश के एक प्रभावशाली कट्टरपंथी मौलवी ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी करते हुए गंभीर धमकी दी है। इस विवाद ने सीमा सुरक्षा और दोनों देशों के रिश्तों के बीच एक नयी दीवार खड़ी कर दी है।

ओमान तट पर तिरंगे झंडे वाले जहाज पर हुए हमले के लिए एक्शन मोड में आया भारत

नई दिल्ली » विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ओमान तट पर भारतीय ध्वज वाले एक व्यापारिक पोत पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। अपने कड़े बयान में मंत्रालय ने इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों की निंदा की। अपनी गंभीर चिंताओं को उजागर करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, ₹कल ओमान तट पर भारतीय ध्वज वाले एक पोत पर हुआ हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि वाणिज्यिक जहाजों और आम नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालती हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामला

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, एक और मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एजेंसी » नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में एक और मुख्य आरोपी, मनीषा गुरुनाथ मंधारे, जो पुणे, महाराष्ट्र की एक सीनियर बॉटनी टीचर हैं, को सीबीआई ने पूछताछ के बाद दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया। वह नीट यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में शामिल थीं और एनचीए द्वारा उन्हें एक विशेषज्ञ के तौर पर नियुक्त किया गया था। उनके पास बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्न पत्रों तक पूरी पहुंच थी। अप्रैल 2026 के दौरान, उन्होंने पुणे की मनीषा वाघमारे (जिन्हें पहले ही 14 मई को गिरफ्तार किया जा चुका है) के जरिए नीट परीक्षा के संभावित उम्मीदवारों को जुटाया और अपने पुणे स्थित आवास पर इन छात्रों के लिए विशेष कोचिंग कक्षाएं आयोजित कीं। इन कक्षाओं के दौरान, उन्होंने बॉटनी और जूलॉजी विषयों के विभिन्न सवालों को समझाया और बताया, तथा छात्रों से उन्हें अपनी नोटबुक में लिखने और अपनी पाठ्यपुस्तकों में भी चिह्नित करने को कहा। इनमें से अधिकांश सवाल 3 मई को आयोजित नीट यूजी 2026 परीक्षा के वास्तविक प्रश्न पत्र से मेल खाते थे। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहल्यानगर से 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 05 आरोपियों को पहले ही अदालत के सामने पेश किया जा चुका है और पूछताछ के लिए 7 दिनों की पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया गया है।

24 घंटे में सीबीआई ने देश भर में 6 स्थानों पर छापेमारी की

पिछले 24 घंटों में, सीबीआई ने देश भर में 6 स्थानों पर तलाशी भी ली है और कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गई चीजों का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, 8 की मौत, 35 से ज्यादा घायल

नई दिल्ली » पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवत जिले में मंगलवार को भीषण बम धमाका हुआ। इस आत्मघाती हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया। हमले में मरने वालों में दो सुरक्षा अधिकारी और एक महिला भी शामिल हैं। विस्फोट में कम से कम 35 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत नाजुक हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस बताया कि धमाका नौरंग बाजार के फाटक चौक पर हुआ।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में गूंजा इसराइल-फिलिस्तीन का मुद्दा

नई दिल्ली » विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में कहा कि भारत फिलिस्तीन मुद्दे पर दो-राज्य समाधान का समर्थन करता है, साथ ही उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चिंता व्यक्त की। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि 28 फरवरी से खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण समुद्री यातायात और ऊर्जा अवसंरचना को खतरा शामिल है, नाजुक सुरक्षा माहौल को रेखांकित करता है। एएनआई के अनुसार, जयशंकर ने कहा, ₹पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जारी तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा अवसंरचना में व्यवधान स्थिति की नाजुकता को उजागर करते हैं। जयशंकर ने लेबनान, सीरिया, सूडान, यमन और लीबिया सहित क्षेत्र के अन्य हिस्सों में अस्थिरता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा लेबनान और सीरिया लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सूडान में संघर्ष से भारी मानवीय क्षति हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

हेग भारतीय दोस्ती का एक जीता-जागता प्रतीक

एजेंसी » नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने द हेग में प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में कहा, कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारत की विविध संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में धड़कती है। हेग में एक कम्युनिटी इवेंट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इतना प्यार और उत्साह देखकर, मैं एक पल के लिए भूल ही गया कि मैं नीदरलैंड्स में हूं, और मुझे ऐसा लगा जैसे मैं भारत में ही किसी उत्सव में शामिल हो रहा हूं।

ऐसा लगता है कि हेग भारतीय दोस्ती का एक जीता-जागता प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज से 12 साल पहले- 16 मई, 2014 को लोकसभा चुनावों के नतीजे घोषित हुए थे। दशकों बाद, भारत में पूर्ण बहुमत वाली एक स्थिर सरकार बनी। करोड़ों भारतीयों का भरोसा मुझे रुकने या थकने नहीं देता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब भी मेरी नीदरलैंड्स के नेतृत्व से बातचीत हुई, उन्होंने हमेशा भारतीय प्रवासियों की तारीफ की। नीदरलैंड्स के समाज और अर्थव्यवस्था में आपके योगदान पर हर भारतीय को गर्व है।

सीजेआई सूर्यकांत का बड़ा बयान...

एआई-टैकनोलजी से मिलेगा जल्द न्याय, बदलेगी न्यायतंत्र की तस्वीर

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित न्यायिक संरचना को गहरा करने और न्याय वितरण में तेजी लाने के लिए तकनीकी प्रगति का उपयोग करने का आह्वान किया। न्यायपालिका के समय की बर्बादी को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी को एकमात्र प्रभावी उपाय बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की न्यायपालिका आम आदमी के हित में तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य न्यायाधीश मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित विखंडन से एकीकरण, एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म एकीकरण के माध्यम से न्याय को सशक्त बनाना विषय पर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नव विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका न केवल 1990 से हमारी प्रणाली का अभिन्न अंग रही तकनीकी प्रगति का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवीनतम डिजाइनों और आम आदमी के हित में उनके उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्य न्यायधीश ने आगे कहा कि हमें प्रौद्योगिकी और एआई-आधारित न्यायिक संरचना को मजबूत करने के बारे में सोचना चाहिए।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

एनबीए स्टार ब्रैंडन क्लार्क की 29 साल में मौत, ड्रग ओवरडोज का शक

नई दिल्ली » अमेरिकी बास्केटबॉल जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई हैं। एनबीए टीम मेम्फिस ग्रिजलीज़ के स्टार खिलाड़ी ब्रैंडन क्लार्क का 29 साल की उम्र में निधन हो गया। मौजूद जानकारी के अनुसार उनका शव सोमवार शाम कैलिफोर्निया के सैन फर्नांडो वैली स्थित घर में मिला था। इस घटना के बाद पूरे खेल जगत में शोक का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि सोमवार शाम करीब 5 बजे लॉस एंजेलिस फायर विभाग को मेडिकल इमरजेंसी से जुड़ी सूचना मिली थी। जब पैरामेडिक्स मौके पर पहुंचे तो उन्होंने ब्रैंडन क्लार्क को मृत घोषित कर दिया।

विवादों के बीच जूनियर हॉकी टीम को मिला नया कोच फ्रेडरिक सोयेज

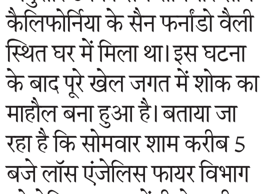

नई दिल्ली » पेरिस ओलंपिक 2024 में फ्रांस की पुरूष हॉकी टीम के कोच रहे फ्रेडरिक सोयेज भारत की अंडर 21 टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। वह दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और चेन्नई में 2025 जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की अंडर 21 टीम के कोच रहे पी आर श्रीजेश की जगह ले सकते हैं। श्रीजेश ने एक्स पर तल्ख लहजे में लिखी गई एक पोस्ट में मंगलवार को कहा कि विदेशी कोचों को तरजीह देने के लिये हॉकी इंडिया ने अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें पद से हटा दिया।

बीडब्ल्यूएफ के नए फॉर्मेट पर भड़कीं पीवी सिंधु, कहा-

मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद थकाने वाला होगा

एजेंसी » नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने माना है कि अगले वर्ष लागू होने वाला बैडमिंटन का नया 15-अंक स्कोरिंग प्रारूप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसके साथ ही यह खिलाड़ियों के लिए बेहद थकाऊ और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण भी होगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने हाल में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, जिसे चार जनवरी 2027 से लागू किया जाएगा।

इस नए प्रारूप पर भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। हाल में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स कमीशन' की अध्यक्ष बनी सिंधू पहले भी कह चुकी हैं कि "अधिकांश खिलाड़ी मानते हैं कि 21 अंक प्रणाली बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से बेहतर है।" थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को जापान की अकाने यामागुची से हारने के बाद उन्होंने नए स्कोरिंग प्रणाली पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा, "हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।" सिंधू ने आगे कहा, "यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।"

सिंधू का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, " यह अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों के लिए यह मददगार हो सकता है क्योंकि वे अपना करियर 2-3 साल और बढ़ाना चाहेंगे। मैच छोटे होने से फायदा मिलेगा।" सिंधू इस बात से सहमत नहीं हैं कि नया प्रारूप खिलाड़ियों का भार कम करेगा। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि भार कम होगा। 21-अंक प्राणाली में आपके पास वापसी करने के लिए 5-6 अंक का समय होता है लेकिन 15 अंक प्रणाली में वह मौका नहीं मिलेगा। 7-7 अंक के बाद खेल लगभग खत्म हो जाएगा।

विश्व कप में मेस्सी को पछाड़ने का क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी मौका

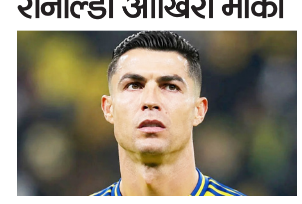

नई दिल्ली » पिछले दो दशक से भी अधिक समय से फुटबॉल जगत में अपने पांवों का जादू बिखरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो अभी तक विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा नहीं बन पाए हैं और 41 साल की उम्र में अब उनके पास इस खेल की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीतने का आखिरी मौका होगा। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने लगभग हर ट्रॉफी अपने नाम की है लेकिन वह कभी विश्व कप नहीं जीत पाए। पांच बार बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 226 मैच में 143 गोल किए हैं जो विश्व रिकॉर्ड है।

इस साल की शुरुआत में सऊदी प्रो लीग में अपनी क्लब टीम अल नासर की तरफ से खेलते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जिसके कारण वह एक अप्रैल को अटलांटा में पुर्तगाल और अमेरिका के बीच मैत्री मैच में नहीं खेल पाए थे। रोनाल्डो अगर चोटिल नहीं होते हैं तो उनका विश्व कप की टीम में शामिल होना निश्चित है।

खेल मंत्रालय का बड़ा दांव

नीरज चोपड़ा और मनु भाकर विदेश में करेंगे स्पेशल ट्रेनिंग

एजेंसी » नई दिल्ली

पीठ की चोट से उबर रहे भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 25 मई से स्विट्जरलैंड के ओलंपिक ट्रेनिंग केंद्र में जाएंगे जबकि निशानेबाज मनु भाकर ट्रेनिंग के लिए इटली चली गईं। खेल मंत्रालय ने इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों को देखते हुए विदेशों में ट्रेनिंग के इनके प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। नीरज के दोनों प्रतियोगिताओं में खेलने की उम्मीद है जबकि मनु सिर्फ एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी क्योंकि निशानेबाजी राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं है।

मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने यहां अपनी 173वीं बैठक में नीरज के स्विट्जरलैंड के बीन में 47 दिन के ऑफ सत्र ट्रेनिंग शिविर के आग्रह के अलावा मनु के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बयान में कहा, ''तुर्किये में पीठ की चोट के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर खिलाड़ी दो बड़ी बहु खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए 25 मई से 10 जुलाई तक बीन के ओलंपिक ट्रेनिंग केंद्र में ट्रेनिंग करेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में किया जाएगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नगोया में होंगे।

एल क्लैसिका का हाई ड्रामा, बार्सिलोना स्टार गावी-विनीसियस के बीच हाथापाई की नौबत

एजेंसी » नई दिल्ली

बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच खेला गया मुकाबला पूरी तरह हाई वोल्टेज ड्रामे से भरा रहा। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच लगातार तनाव और तीखी बहस देखने को मिली, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा बार्सिलोना के गावी और रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर के बीच हुई भिड़ंत की हो रही है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के दौरान दोनों खिलाड़ी कई बार आमने-सामने आए और एक-दूसरे को उकसाने की कोशिश करते दिखाई दिए। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ता गया, दोनों के बीच तनाव भी बढ़ता चला गया। सोशल मीडिया पर अब इस बहस के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

बताया जा रहा है कि मैच के दौरान रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर बार्सिलोना समर्थकों की ओर इशारा करते हुए चैंपियंस लीग जीत को लेकर कुछ प्रतिक्रिया दे रहे थे। इसके बाद गावी ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, "तुम्हारा बैलन डी ओर कहां है?" इस पर विनीसियस ने हंसते हुए जवाब दिया कि उनके पास चैंपियंस लीग खिताब हैं। गौरतलब है कि इसके बाद भी दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस खत्म नहीं हुई। मैच के दूसरे हाफ में भी दोनों के बीच तीखी बातचीत हुई। मौजूद जानकारी के अनुसार, विनीसियस ने माहौल शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि वह अपना धैर्य बनाए हुए हैं। लेकिन गावी ने तुरंत पलटवार करते हुए उन्हें खेल पर ध्यान देने और बेवजह हरकतें बंद करने की बात कही। मुकाबले के दौरान सिर्फ गावी ही नहीं, बल्कि बार्सिलोना के फॉरवर्ड फेरान टॉरेस भी विनीसियस जूनियर पर नाराज नजर आए।

सारा टेलर बनीं इंग्लैंड पुरुष टीम की फील्डिंग कोच

नई दिल्ली » इंग्लैंड की पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए सीनियर पुरुषों की टेस्ट टीम का क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बुधवार को यह घोषणा की। महिला क्रिकेट के इतिहास की महानतम खिलाड़ियों में से एक मानी जाने वाली 37 वर्षीय टेलर ने एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी काम किया है।

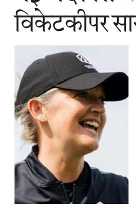

भारतीय तिकड़ी का कोर्ट पर धमाल, सिंधू-लक्ष्य-श्रीकांत ने जीता पहला मुकाबला

एजेंसी » नई दिल्ली

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में बुधवार को सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गए जबकि इस पांच लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन मिश्रित सफलता वाला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को 21-9 21-12 से हराया जबकि सातवें वरीय और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दो बार के फाइनलिस्ट लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन को 21-16 21-17 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से हराकर उलटफेर किया। श्रीकांत का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपै के सू लि यांग से होगा जबकि सिंधू डेनमार्क की अमेली शूल्ज से खेलेंगी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता थॉमस कप के दौरान लगी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चीनी ताइपे के वांग पो वेई और चीन के झू शुआन चेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। इस साल थाईलैंड मास्टर के रूप में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग ने कड़े मुकाबले में दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी जापान की नात्सुकी निदाइरा को एक घंटे 11 मिनट में 21-19 13-21 21-15 से शिकस्त दी। एक अन्य मैच में मालविका बंसोड़ ने कनाडा की वेन यू झेंग को 13-21 26-24 21-13 से हराया लेकिन तन्वी शर्मा को जापान की हीना अकेची के खिलाफ 17-21 8-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

नया प्रोजेक्ट

कान्स 2026 में आलिया ने दिखाया देसी ग्लैमर

साड़ी-गाउन और मां की ज्वेलरी में लगीं अप्सरा

आलिया भट्ट इन दिनों 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने फैशन का जलवा बिखेर रही हैं। एक के बाद एक शानदार लुक्स देने के बाद, आलिया ने अपने तीसरे लुक के लिए कुछ ऐसा चुना जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस बार आलिया ने विदेशी ड्रेस छोड़कर भारतीय कारीगरी को बड़े मंच पर पेश किया।

» **साड़ी और गाउन का अनोखा संगम...** आलिया भट्ट ने मशहूर भारतीय डिजाइनर तरुण ताहिलियानी का बनाया हुआ एक खास 'साड़ी-गाउन' पहना। यह ड्रेस हाथीदांत (ivory) और सुनहरे रंग की थी, जिसे चंदेरी सिल्क से बनाया गया था। इसकी खासियत यह थी कि यह ऊपर से एक फिटिंग वाले गाउन जैसा था, लेकिन नीचे से इसमें साड़ी जैसी खूबसूरती और धोती स्कर्ट का स्टाइल दिया गया था। इस ड्रेस में आलिया बिल्कुल किसी राजकुमारी जैसी लग रही थीं।

» **ज्वेलरी में दिखा भारतीय टच...** आलिया के इस लुक को सबसे खास उनकी ज्वेलरी ने बनाया। उन्होंने अपने हाथों में विंटेज स्टाइल के हाथफूल पहने थे और चेहरे पर एक छोटी सी नथ और बिंदी लगाई थी। इतना ही नहीं, आलिया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह अपनी पायल भी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह से फिल्मी महसूस कर रही हैं।

» **सोनम कपूर की मां से उधार लिए झुमके...** एक दिलचस्प बात यह रही कि आलिया के कानों के झुमके उनके अपने नहीं थे। आलिया को रिया कपूर स्टाइल कर रही हैं और रिया ने ये खूबसूरत झुमके अपनी मां सुनीता कपूर से उधार लिए थे। सुनीता कपूर खुद फैशन की दुनिया में एक बड़ा नाम हैं। आलिया ने अपने मेकअप को बहुत हल्का और गुलाबी रखा, जो गर्मियों के हिसाब से एकदम परफेक्ट था।

» **भारत का नाम किया रोशन...** आलिया ने यह खास लुक फ्रांस के कान्स में 'भारत पवेलियन' के उद्घाटन के लिए चुना था। उन्होंने दिखा दिया कि चाहे वह एयरपोर्ट पर कैपरी पहनें या इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करें, वह हर काम पूरी परफेक्शन के साथ करती हैं। आलिया की इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी सादगी और भारतीय अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कन्नड़ सिनेमा के एक्टर दिलीप राज नहीं रहे, 47 की उम्र में हार्ट अटैक ने ली जान

कन्नड़ अभिनेता दिलीप राज का बुधवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। फिल्म उद्योग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 47 वर्ष के थे। कन्नड़ फिल्म जगत में दो दशक से अधिक समय से जुड़े रहे राज, छोटे पर्दे से लेकर सिनेमा तक दोनों में अपने अभिनय के लिए जाने जाते थे। हाल ही में उन्हें कन्नड़ फिल्म ''लव मॉकटेल 3'' में एक वकील की भूमिका निभाते हुए देखा गया था। अभिनेता को 2005 में आई फिल्म 'मिलना' में दिवंगत अभिनेता पुनीत राजकुमार के विपरीत खलनायक की भूमिका निभाने के लिए व्यापक पहचान मिली।

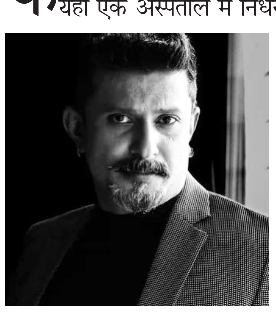

हाथ में बंदूक, आंखों में गुस्सा, फिल्म की रिलीज डेट भी कंफर्म

'मां इंटी बंगारम' के नए पोस्टर में सामंथा का धाकड़ लुक

फिल्म साउथ सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु की आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की रिलीज डेट अब पक्की हो गई है। सामंथा ने खुद सोशल मीडिया पर एक बहुत ही दमदार पोस्टर शेयर करते हुए बताया है कि यह फिल्म कब सिनेमाघरों में आएगी। आइए आपको बताते हैं पूरी डिटेल्स।

» **कब रिलीज होगी फिल्म?** सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया और लिखा, "ट्रिगर दबाने का समय आ गया है।" उन्होंने बताया कि 'मां इंटी बंगारम' 19 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह खबर सुनते ही फैंस बहुत खुश हो गए हैं और सामंथा को बधाई दे रहे हैं।

» **कैसा है सामंथा का नया लुक?** फिल्म के नए पोस्टर में सामंथा का लुक काफी अलग और दमदार नजर आ रहा है। इस बार वह लाल और काले बॉर्डर वाली पारंपरिक साड़ी में दिखाई दे रही हैं, लेकिन उनके हाथ में शॉटगन (बंदूक) उनके किरदार को और भी खतरनाक और ताकतवर बना देती है। यह साफ इशारा करता है कि फिल्म में उनका रोल एक साधारण घरेलू महिला का है, जो जरूरत पड़ने पर बेहद सख्त और खतरनाक रूप ले सकती है।

» **सामंथा ने फिल्म के बारे में क्या कहा?** सामंथा इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि वह इसकी प्रोड्यूसर भी हैं। उन्होंने बताया कि 'मां इंटी बंगारम' एक ऐसी महिला की कहानी है जो अंदर से कोमल है लेकिन जरूरत पड़ने पर बहुत बहादुर बन जाती है। सामंथा ने कहा, "इस फिल्म की दुनिया भावनाओं से भरी है, जहां परिवार को सबसे पहले रखा गया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी से जुड़ पाएंगे।"

एक्ट्रेस के साथ अब प्रोड्यूसर भी बनीं सामंथा... आपको बता दें कि सामंथा ने हाल ही में 28 अप्रैल को अपना जन्मदिन भी इसी फिल्म की थीम वाले केक के साथ मनाया था। फैंस इस फिल्म का इसलिए भी इंतजार कर रहे हैं क्योंकि सामंथा लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म को उन्होंने खुद अपने बैनर 'ट्रालाला मूविंग पिक्चर्स' के तले बनाया है।

यश की 'टॉक्सिक' को लेकर खुलासा

दर्शकों ने पहले कभी ऐसा नहीं देखा होगा: तारा सुतारिया

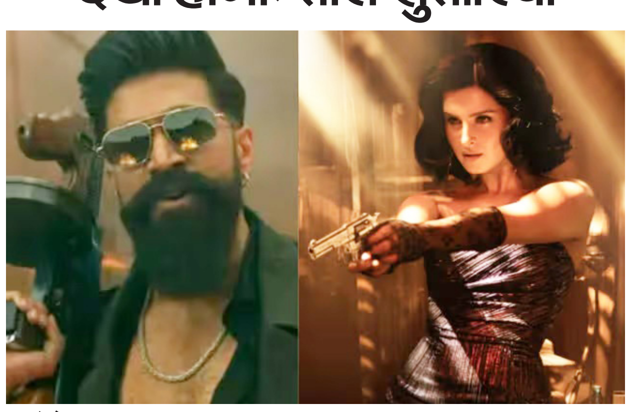

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। इसी दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर की। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार यश नजर आने वाले हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत के दौरान तारा ने फिल्म की कहानी, अपने किरदार और यश के साथ काम करने के अनुभव को लेकर खुलकर बात की।

तारा सुतारिया फिल्म में 'रेबेका' नाम का किरदार निभा रही हैं। तारा ने कहा, "हम सभी अलग-अलग उम्र और करियर के पड़ाव पर हैं, लेकिन हर सीन को साथ मिलकर सेलिब्रेट करना बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म की महिलाएं शानदार और बेखौफ हैं। जब भी हम साथ शूट करते थे, मैं बस उन्हें देखकर सीखती रहती थी क्योंकि ऐसा मौका बहुत कम मिलता है।" तारा ने कहा, "ग्लोबल लेवल पर यह फिल्म लोगों के लिए पूरी तरह अलग अनुभव होगी। दर्शकों ने शायद पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा होगा। फिल्म में महिलाओं की ताकत, निडरता, साहस और अलग पहचान को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है।"

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2

तुलसी की जिंदगी में आया तूफान, रेयांश को लेकर परिवार में दरार

टीवी का आइकॉनिक फैमिली ड्रामा क्योंकि सास भी कभी बहू थी एक बार फिर दर्शकों को इमोशनल और हाई-वोल्टेज ड्रामे से बांधे हुए है। शो की कहानी इन दिनों ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां हर किरदार अपने अतीत और भावनाओं से लड़ता नजर आ रहा है। तुलसी विरानी का एक फैसला अब पूरे विरानी परिवार की जिंदगी बदल सकता है। अपने बेटे अंश को गोली मारने की घटना के बाद तुलसी गहरे अपराधबोध में जी रही हैं। वह खुद को इस हादसे के लिए जिम्मेदार मान रही हैं और मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी हैं। परिवार के सामने मजबूत दिखने वाली तुलसी अंदर ही अंदर लगातार दर्द से गुजर रही हैं।

इसी बीच तुलसी एक बड़ा कदम उठाते हुए रेयांश को विरानी हाउस ले आती हैं। उन्हें उम्मीद है कि शायद इस फैसले से वह अपने मन का बोझ थोड़ा कम कर पाएंगी। लेकिन रेयांश की एंट्री घर के कई सदस्यों के लिए नई परेशानी बनती जा रही है।

उसकी मौजूदगी से पुराने जख्म फिर ताजा होने लगे हैं और परिवार के लोग असहज महसूस कर रहे हैं। घर का माहौल अब पहले जैसा शांत नहीं रह गया है।

पति पत्नी और वो-2 का रिव्यू... सारा अली खान का शानदार सरप्राइज

आयुष्मान-वामिका-रकुल संग फिल्म बनी मजेदार कॉमेडी राइड

- **फिल्म:** पति पत्नी और वो दो फिल्म का रिव्यू
- **डायरेक्टर:** मुदस्सर अज़ीज़
- **स्टार कास्ट:** आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह, तिग्मांशु धूलिया
- **ड्यूरेशन:** 2 घंटे 2 मिनट
- **कहां देखें:** सिनेमाघरों में
- **रेटिंग:** 3।5/5 स्टार

मुदस्सर अज़ीज द्वारा लिखित, निर्देशित और सह-लिखित फिल्म पति, पत्नी और वो 2 एक मजेदार कॉमेडी फिल्म है, जो अपनी अनोखी कहानी और हल्के-फुल्के मनोरंजन से दर्शकों को शुरुआत से अंत तक सीटों से बांधे रखती है। रिश्तों, उलझनों और हंसी से भरपूर यह फिल्म हर पल नए ट्विस्ट के साथ एंटरटेनमेंट का पूरा डोज देने का वादा करती है। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और तिग्मांशु धूलिया स्टारर इस फिल्म का क्या है रिव्यू और क्यों इसे देखना चाहिए।

» **कहानी...** एक झूठ दूसरे झूठ को जन्म देता है और देखते ही देखते फिल्म का हर किरदार किसी ना किसी मुसीबत में फंस जाता है। कहानी की शुरुआत एक आसान सेटअप से होती है। प्रजापति पांडे (आयुष्मान खुराना) एक ईमानदार फॉरेस्ट ऑफिसर है, जो अपनी पत्रकार पत्नी अपर्णा पांडे (वामिका गब्बी) के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहा होता है। लेकिन सब कुछ तब गड़बड़ा जाता है, जब वह अपनी कॉलेज जूनियर चंचल कुमारी (सारा अली खान) का नकली बॉयफ्रेंड बनने के लिए तैयार हो जाता है। चंचल ऐसा इसलिए चाहती है ताकि वह अपने असली प्रेमी से मिल सके और नेता गजराज तिवारी (तिग्मांशु धूलिया) के गुस्से से बच सके। इसके बाद कहानी झूठ, शक, पुलिस के चक्कर, राजनीतिक दबाव और अजीबो-गरीब सफाइयों के जाल में बदल जाती है। वहीं अपर्णा के फैसले हालात को और बिगाड़ देते हैं, और उसकी दोस्त नीलुफर भी इस पूरे पागलपन में फंस जाती है।

» **कॉमेडी और एंटरटेनमेंट का शानदार तड़का...** फिल्म पूरी तरह सिचुएशनल कॉमेडी के अंदाज में बनाई गई है और कई सीन अपनी बेहतरीन टाइमिंग व मजेदार कन्फ्यूजन की वजह से खूब हंसाते हैं। खासकर जब किरदार एक-दूसरे से सच छुपाने की कोशिश करते हैं, तब फिल्म का मनोरंजन और भी बढ़ जाता है। कहानी में कॉमेडी के साथ मसालेदार ड्रामा भी जोड़ा गया है, जो इसे और ज्यादा मनोरंजक बनाता है। यही वजह है कि फिल्म सिर्फ हल्की-फुल्की हंसी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे समय दर्शकों को बांधे रखती है। ह्यूमर संग एंटरटेनमेंट का यह मिश्रण फिल्म को मजेदार फैमिली एंटरटेनर बनाता है।

» **सारा अली खान ने जीता दिल, फिल्म की सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस...** सारा अली खान इस फिल्म की सबसे बड़ी सरप्राइज पैकेज बनकर सामने आती हैं। ट्रेलर से इसका अंदाजा नहीं था, लेकिन फिल्म में तीनों हीरोइनों के बीच उनकी परफॉर्मेंस सबसे ज्यादा असर छोड़ती है। वह पहले हाफ को पूरी तरह अपने नाम कर लेती हैं और जब भी स्क्रीन पर आती हैं, फिल्म में नई ऊर्जा भर देती हैं।

बॉलीवुड न्यूज

करण कुंद्रा-तेजस्वी प्रकाश लाफ्टर शेफ्स के बाद अब नए शो में दिखेंगे साथ

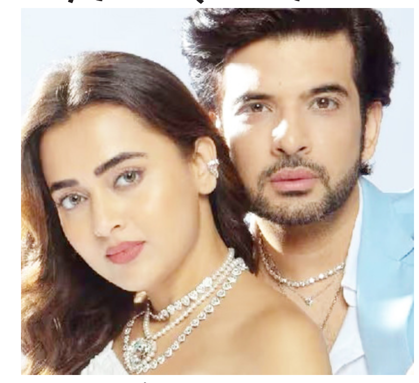

» करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। बिग बॉस और लाफ्टर शेफ्स में दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब कपल नेटफ्लिक्स के नए शो देसी ब्लिंग में दिखाई देंगे। शो का प्रीमियर 20 मई को होने जा रहा है और इसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। यह शो दुबई के बेहद आलीशान और हाई-प्रोफाइल देसी सोशल सर्कल की कहानी दिखाएगा, जहां लग्जरी लाइफस्टाइल, महंगे फैशन, बड़ी पार्टियां और रिश्तों के बीच का ड्रामा देखने को मिलेगा। कहानी में करण और तेजस्वी एक ऐसी दुनिया का हिस्सा बनते नजर आएंगे, जहां दिखावे के पीछे कई उलझे रिश्ते और इमोशंस छिपे हुए हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स ने शो का ट्रेलर भी रिलीज किया, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेलर में ग्लैमर, ड्रामा और इमोशनल मोमेंट्स की झलक देखने को मिली। करण और तेजा एक जगह तो लड़ते हुए दिखाई दिए। करण कुंद्रा ने शो को लेकर कहा कि यह एक्सपीरियंस काफी अलग था। उनके मुताबिक शो में सिर्फ चमक-दमक ही नहीं बल्कि रिश्तों और लोगों की असली भावनाएं भी देखने को मिलती हैं।

कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी ने रिवील किया बेटी का नाम, फैंस से मांगी खास दुआ

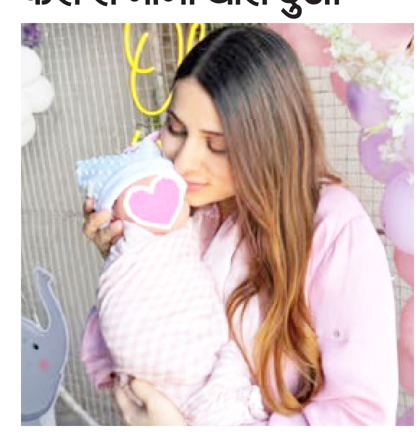

» मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर और बिग बॉस कंटेस्टेंट फारूकी इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पल जी रहे हैं। हाल ही में मुनव्वर और उनकी पत्नी महजबीन कोटवाला के घर एक छोटी सी बेटी का जन्म हुआ है। मंगलवार को मुनव्वर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा की और अपनी लाडली के नाम से पर्दा उठाया। फैंस काफी समय से यह जानने के लिए उत्सुक थे कि इस जोड़े ने अपनी नन्हीं परी का क्या नाम रखा है। मुनव्वर और महजबीन ने अपनी बेटी का नाम 'बरिराह' रखा है। उन्होंने बताया कि 1 मई 2026 को उनके घर इस नन्हीं परी का आगमन हुआ। मुनव्वर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए अल्लाह का शुक्रिया अदा किया और बताया कि बेटी का आना उनके लिए किसी प्यारे तोहफे से कम नहीं है। इस जोड़े ने अपनी बेटी का पूरा नाम 'बरिराह मुनव्वर फारूकी' रखा है। मुनव्वर ने खुद अपनी पोस्ट में इस नाम का बहुत सुंदर मतलब समझाया है। उन्होंने लिखा, अल्हम्दुलिल्लाह, 1 मई 2026 को हमें बेटी के तौर पर एक प्यारा तोहफा मिला।

'किंग' के सेट से अभिषेक का खूंखार लुक लीक! हाथ में शॉटगन और ग्रे ओवरकोट

» शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किंग' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। फिल्म की शूटिंग जोरों पर है, लेकिन मेकर्स की लाख कोशिशों के बावजूद सेट से तस्वीरें लीक होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब फिल्म के मुख्य विलेन अभिषेक बच्चन का पहला लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। लीक हुई तस्वीर कथित तौर पर एक आउटडोर लोकेशन की है। इसमें अभिषेक बच्चन का बेहद रफ-एंड-टफ और डरावना लुक देखने को मिल रहा है: तस्वीर में अभिषेक एक गाड़ी के ऊपर खड़े हैं और उनके हाथों में एक शॉटगन है। उन्होंने गहरे रंग के कपड़ों के ऊपर एक लंबा ग्रे ओवरकोट पहना हुआ है। पीछे ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियां नजर आ रही हैं, जो फिल्म के इंटेंस एक्शन की ओर इशारा कर रही हैं। फिल्म की टीम हाल ही में एक गाने की शूटिंग और क्लाइमेक्स शूट करने के लिए साउथ अफ्रीका गई थी। वहां दो हफ़्ते के शेड्यूल के बाद, टीम इस बड़े बजट की एक्शन फिल्म के अगले चरण की शूटिंग के लिए मुंबई लौट आई। बच्चन की तस्वीर सामने आने से पहले, दीपिका को शाहरुख के साथ शूटिंग करते देखा गया था। एक वीडियो में दोनों एक्टर साउथ अफ्रीका में सूर्यास्त के समय समुद्र तट पर शूटिंग करते नज़र आए। इस क्लिप में दीपिका ने सफ़ेद रंग की ड्रेस पहनी हुई थी, जबकि शाहरुख धारीदार शर्ट और काली पैंट में दिखे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com